गठित किए जाने का क्या कारण है ; और

(ङ) इन समितियों में नियुक्त "एड्स" विशेषज्ञों के नाम क्या-क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) सरकार को 6 सितम्बर, 1992 को राष्ट्रीय सहारा, दिल्ली में प्रकाशित इस समाचार की जानकारी है ।

(ख) यह समाचार अंशतः गलत है और गुमराह करने वाला है ।

(ग) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की परियोजना में अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय एड्स समिति और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण बोर्ड स्थापित करने की बात निर्धारित की गई है । देश में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के मार्गदर्शन और निर्देशन तथा समन्वय प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय एड्स समिति कार्य करती है जो एक बहुक्षेत्रीय निकाय है । राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण बोर्ड अधिकारियों का एक निकाय है जो सचिव (स्वास्थ्य) की अध्यक्षता में विभिन्न प्रशासनिक और प्रचालन सम्बंधी मामलों के बारे में निर्णय लेने के लिए है ।

(घ) राष्ट्रीय एड्स समिति में संसद सदस्यों, पत्रकारों, फिल्मी व्यक्तियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं इत्यादि के अतिरिक्त महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक और चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, रक्त बैंक, विकृति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान के क्षेत्र के विख्यात चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल हैं । राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण बोर्ड में केवल सात सदस्य हैं जिसमें स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक इसके सदस्यों के रूप में है ।

Deaths due to 'Falsiperum Malaria in Madhya Pradesh

3660. SHRI SURESH PACHOURI : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a new type of malaria "Felsiperum Malaria" has spread in the epidemic form in the Tribals dominated areas of Bastar, Raipur, Bilaspur, Mandla, Sarguja, Dhar, Jhabua, Kanker, Badwani etc. in the State of Madhya Pradesh and many people are dieing in these areas due to this malaria;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) how many people have died in the tribal belt of Madhya Pradesh due to new type of Malaria during the twelve months alongwith the district-wise details; and

(d) what action Government propose to take to save the helpless tribals of Madhya Pradesh from the epidemic of Felsiperum Malaria ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) The incidence of P. Felsiperum malaria in the tribal areas of Madhya Pradesh has shown an increasing trend.

(b) and (c) 38,671 P. Felsiperum cases and 39 deaths have been reported in 1992 (provisional) from tribal areas of Madhya Pradesh.

(d) It is proposed to intensify and strengthen the programme in the tribal areas through better case detection and treatment, health education and antivector, environmental and anti-parasitic measures.

Unused Equipment in Hindu Rao Hospital

3661. DR. BAPU KALDATE : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that equipment purchased at enormous cost is gathering